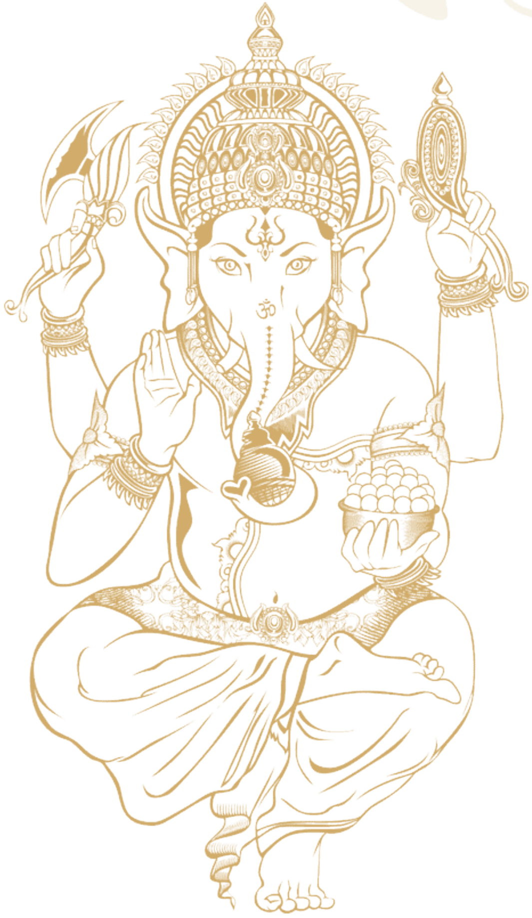

H

22 Oct 2025

05:28 AM

Bhagalpur

Model: web-freekundliweb **Order No: 121531303**

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21-22/10/2025**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:28:00 घंटे**
इष्ट	59:20:47 घटी
स्थान	**Bhagalpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:14:00 उत्तर
रेखांश	86:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:17:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:45:56 घंटे
वेलान्तर	00:15:25 घंटे
साम्पातिक काल	07:48:39 घंटे
सूर्योदय	05:43:41 घंटे
सूर्यास्त	17:09:30 घंटे
दिनमान	11:25:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:37:31 तुला
लग्न के अंश	00:14:17 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	प्रीति
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रुपेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	00:14:17	321:50:23	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
सूर्य			तुला	04:37:31	00:59:43	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			तुला	09:53:33	11:55:14	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			तुला	26:10:17	00:42:10	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
बुध			तुला	27:09:55	01:15:48	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	00:14:28	00:03:57	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	15:51:57	01:14:44	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि	व		मीन	02:06:03	00:03:31	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	23:32:42	00:07:02	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:32:42	00:07:02	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:25:09	00:02:01	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:47:28	00:01:24	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:09:48	00:00:14	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	00:59:28	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित

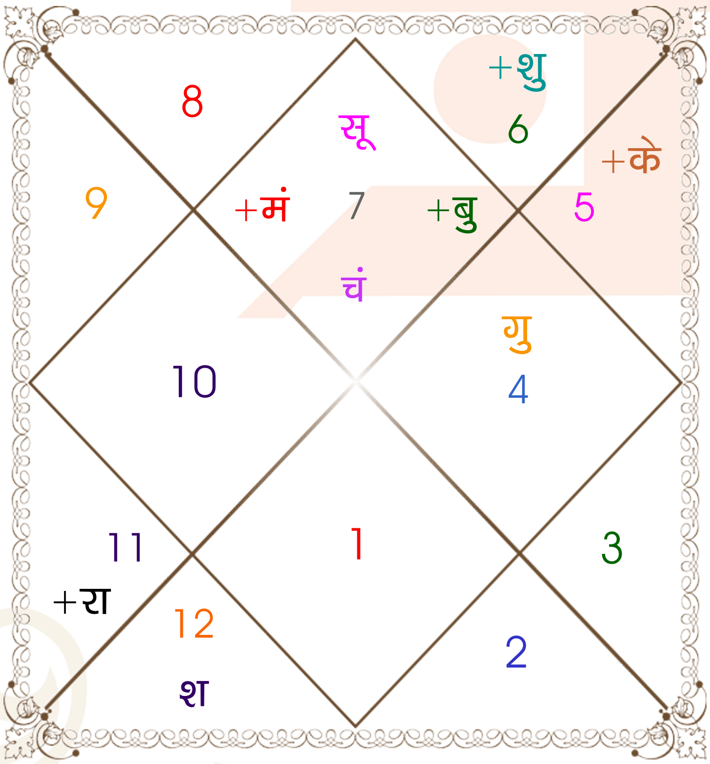

चन्द्र कुंडली

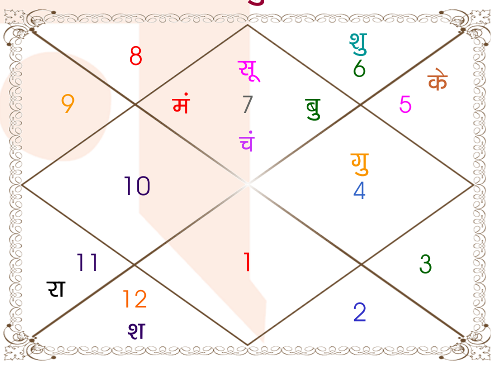

नवमांश कुंडली

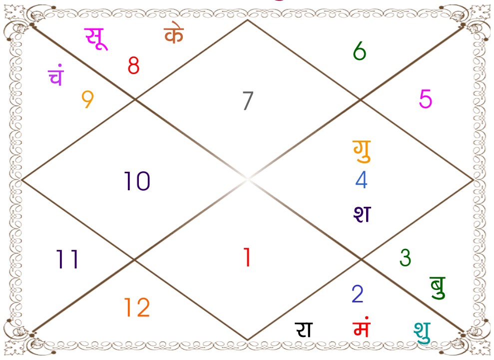

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 7 मास 22 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
22/10/2025	15/06/2039	15/06/2055	14/06/2074	15/06/2091
15/06/2039	15/06/2055	14/06/2074	15/06/2091	14/06/2098
22/10/2025	गुरु 02/08/2041	शनि 17/06/2058	बुध 10/11/2076	केतु 11/11/2091
गुरु 21/07/2026	शनि 13/02/2044	बुध 25/02/2061	केतु 07/11/2077	शुक्र 10/01/2093
शनि 27/05/2029	बुध 21/05/2046	केतु 05/04/2062	शुक्र 07/09/2080	सूर्य 18/05/2093
बुध 14/12/2031	केतु 27/04/2047	शुक्र 05/06/2065	सूर्य 15/07/2081	चंद्र 17/12/2093
केतु 01/01/2033	शुक्र 26/12/2049	सूर्य 18/05/2066	चंद्र 14/12/2082	मंगल 15/05/2094
शुक्र 02/01/2036	सूर्य 14/10/2050	चंद्र 17/12/2067	मंगल 11/12/2083	राहु 02/06/2095
सूर्य 25/11/2036	चंद्र 13/02/2052	मंगल 25/01/2069	राहु 30/06/2086	गुरु 08/05/2096
चंद्र 27/05/2038	मंगल 19/01/2053	राहु 02/12/2071	गुरु 05/10/2088	शनि 17/06/2097
मंगल 15/06/2039	राहु 15/06/2055	गुरु 14/06/2074	शनि 15/06/2091	बुध 14/06/2098

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
14/06/2098	15/06/2118	15/06/2124	15/06/2134	15/06/2141
15/06/2118	15/06/2124	15/06/2134	15/06/2141	00/00/0000
शुक्र 15/10/2101	सूर्य 03/10/2118	चंद्र 15/04/2125	मंगल 12/11/2134	राहु 26/02/2144
सूर्य 15/10/2102	चंद्र 04/04/2119	मंगल 14/11/2125	राहु 30/11/2135	गुरु 23/10/2145
चंद्र 15/06/2104	मंगल 09/08/2119	राहु 16/05/2127	गुरु 05/11/2136	00/00/0000
मंगल 15/08/2105	राहु 03/07/2120	गुरु 14/09/2128	शनि 15/12/2137	00/00/0000
राहु 15/08/2108	गुरु 21/04/2121	शनि 16/04/2130	बुध 12/12/2138	00/00/0000
गुरु 16/04/2111	शनि 03/04/2122	बुध 15/09/2131	केतु 10/05/2139	00/00/0000
शनि 15/06/2114	बुध 08/02/2123	केतु 15/04/2132	शुक्र 09/07/2140	00/00/0000
बुध 15/04/2117	केतु 16/06/2123	शुक्र 15/12/2133	सूर्य 14/11/2140	00/00/0000
केतु 15/06/2118	शुक्र 15/06/2124	सूर्य 15/06/2134	चंद्र 15/06/2141	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 7 मा 26 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरूचि के अनुसार अपनी जीवन संगिनी अर्थात् अपनी पत्नी का चयन करेंगे। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगे। आप उच्च स्तर के भावुक प्राणी है। आप अपनी संगिनी को हार्दिक प्यार करते हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करते हों। आप पूर्ण रूपेण अपनी संगिनी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगिनी आपकी अभिरूचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करती है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपनी संगिनी को कुछ उपहार नहीं देते हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाते हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगे, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगे। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगे।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगे तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगे। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगे। आपमें विभिन्न आकर्षक विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करते हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहते हैं। आप किसी भी प्रकार की करूण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करते हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मेड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छे एवं सौम्य व्यक्ति हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकते हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकते हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगे। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रत्ति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकते हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करे तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अर्किटेक्ट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकते हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।